

जर्जर भवनों से संबंधित प्रस्ताव समय पर भेजे, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : जिला कलेक्टर

कोटा, (निस)। अंतर-विभागीय समन्वय एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक सोमवार को कलक्टर पीयूष समाचार्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें उन्होंने सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए। कि एसडीएसएफ के तहत जर्जर भवनों के प्रस्ताव शीर्ष तैयार किए जाएं उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी विभागीय प्रस्ताव में कोई कमी पाई जाए तो यह जर्जर भवनों की सूक्ष्म अव्याध्यम से प्राप्त होती है, तो संबंधित विभागाध्यम पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी स्कूलों एवं अंग्रेजीडिंगों की मैट्रिक की जाए ताकि जर्जर भवनों को विनियोग कर लाया जाए। जर्जर भवनों की सूक्ष्म अव्याध्यम से प्राप्त होती है, तो संबंधित विभागाध्यम पर कार्रवाई की जाएगी।

नियुक्त किया जाएगा जो समय-समय पर भवनों के मानकों के अनुसार समीक्षा करेगा।

विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आईसीडीएस विभाग के जर्जर भवनों पर जल्द प्रताव तैयार करें और कार्रवाई ही सुनिश्चित करें कि निर्देश दिए गए समझौते बैठक में "संपर्क"

पोर्टल पर प्राप्त परिवारों के निस्तारण

को लेकर कलेक्टर ने कहा कि यदि

किसी परिवार को अस्वीकार किया



■ अंतर विभागीय समन्वय एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश, हर अधिकारी से मांगा जावा

पीयूष समाचार्य ने कहा कि निवेशकों को प्रशासनिक समयोग दिया जाए और विभाग उनके समन्वय बनाते हुए हैंडहोल्डिंग की प्रभावी व्यवस्था करें उन्होंने विभागों को नियमित समीक्षा के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की प्लैटफॉर्म योजनाएं एवं बटर घोषणाएं प्रायोगिकता पर रहें और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र तात्पारियों को योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापवाही अस्वीकार है।

बैठक में प्रशिक्षा आईएस आराधना चौहान, डीएफओ अपूर्व श्रीवास्तव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुक्ति चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर अनिल सिंहल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग कृष्ण शुक्ला, केडीए आयुक्त कुशल कोटारी सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यिंग राजस्थान के तहत हुए

एप्रिल को समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अंतर विभागीय समन्वय एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश देते हुए अधिकारी से जबाब मांगा है।

जाता है तो उसका कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए और परिवारों को उपयुक्त मार्गदर्शन भी दिया जाए। उन्होंने निगम, केडीए, आईसीडीएस और स्वास्थ्य विभाग के सचिवों को अलाप से प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। जिसका फल योग्यता में सुधार हो सके। कलेक्टर ने नगर निगम द्वारा हरियाली राजस्थान अधियान के अंतर्गत कम आवश्यक समीक्षायों की खोली गयी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परिवारों की जानकारी एप्रिल

पीयूष को समीक्षा करते हुए कलेक्टर

को लाभ लें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी

परिवारों को अपेक्षा जावा। एप्रिल

विभाग के लिए एक फंड से स्वीकृत विकास को उन्होंने निर्देश दिए। जिसका फल योग्यता में सुधार हो सके।

जाता है तो उसका कारण स्पष्ट

किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए।

जिसका फल योग्यता में सुधार हो सके।

</div